जवाहरलाल नेहरु कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग

प्रेषक :डॉ. शेखर सिंह बघेल
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी

क्रमांक 63
दिनांक 13.03.2023

उद्यमिता में सार्थक सफलता हेतु बेहतर प्लानिंग सर्वोपरि– कुलपति डॉ. पी.के. मिश्रा

बागवानी उत्पादन में नवीन तकनीकी पर छात्रों के बीच उद्यमिता विकास पर 10 दिवसीय प्रशिक्षण का उद्घाटन

जबलपुर 13 मार्च, 2023। जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय जबलपुर के अंतर्गत उद्यानिकी विभाग द्वारा नाहेप परियोजना के तहत बागवानी उत्पादन में नवीन तकनीकी पर छात्रों के बीच उद्यमिता विकास पर 10 दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन कुलपति डॉ. प्रमोद कुमार मिश्रा के मुख्यआतिथ्य में हुआ। मुख्य अतिथि कुलपति डॉ. पी.के. मिश्रा ने अपने उद्बोधन में कहा कि, उद्यमशीलता हेतु संपूर्ण जानकारी एवं प्रशिक्षण के उपरांत सही प्लानिंग के माध्यम से कार्यों को करने से बेहतर परिणाम प्राप्त होते हैं, स्टार्टअप की सार्थकता एवं सफलता हेतु बेहतर प्लानिंग सर्वोपरि होती है। कुलपति डॉ. मिश्रा ने कहा कि उद्यमशीलता हेतु बेहतर परिणाम कैसे प्राप्त करें, इस हेतु व्यवहारिक रूप से गुलदस्ते का तैयार करने की एवं उसका आर्थिकी दृष्टिकोण एवं व्यवहारिक जीवन में लाभ कैसे प्राप्त कर सकते हैं, कुलपति डॉ. मिश्रा ने बड़े ही सरल तरीके से जानकारी प्रदान की। आपने कहा कि एक अच्छे विषय पर प्रशिक्षण छात्र–छात्राओं के लिये सार्थक सिद्ध होगा।

कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती पूजन के साथ हुआ। इसके बाद अधिष्ठाता उद्यानिकी संकाय डॉ. एस.के. पांडे ने स्वागत उद्बोधन में कहा कि वर्तमान समय में कृषि के साथ उद्यानिकी द्वारा एक अतिरिक्त आमदनी एवं बेहतर लाभ हेतु एक बहुआयामी क्षेत्र है, इस हेतु 10 दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया है। विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ. धीरेंद्र खरे ने कहा कि प्रशिक्षण की उपयोगिता, वर्तमान समय की आवश्यकता उद्यानिकी है, प्रशिक्षण में सभी विषयों का बेहतर समावेश करके इसका लाभ प्रशिक्षण के माध्यम से प्रशिक्षार्थियों को प्राप्त होगा। अधिष्ठाता कृषि अभियांत्रिकी संकाय डॉ. अतुल श्रीवास्तव ने कहा कि हॉर्टिकल्चर के क्षेत्र में यंत्रीकरण की उपयोगिता व आवश्यकता आज अति आवश्यक हो गई है, ताकि बेहतर उत्पादन के साथ कम समय में अधिक लाभ प्राप्त किया जा सकें। संचालक विस्तार सेवाएं विस्तार सेवाएं डॉ. दिनकर प्रसाद शर्मा ने कहा कि प्रशिक्षार्थियों को व्यवहारिक ज्ञान अति आवश्यक है। इस हेतु बडिग, ग्राफ्टिंग एवं प्रोटेक्टेड कल्टीवेशन विषय पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम का संचालन प्रशिक्षण समन्वयक डॉ. अखिलेश तिवारी प्रमुख वैज्ञानिक द्वारा किया गया एवं आभार प्रदर्शन डॉ. रजनी शर्मा वैज्ञानिक द्वारा किया गया। कार्यक्रम के दौरान मंच में अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ. धीरेन्द्र खरे, अधिष्ठाता कृषि अभियांत्रिकी संकाय डॉ. अतुल श्रीवास्तव, अधिष्ठाता उद्यानिकी संकाय डॉ. एस.के. पांडे, संचालक विस्तार सेवायें डॉ. दिनकर प्रसाद शर्मा, अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय डॉ. पी.बी.शर्मा, नाहेप प्रमुख डॉ. आर.के. नेमा, एक्सपर्ट श्री अजय की उपस्थिति रही। इसके अलावा कार्यक्रम में नाहेप के सह समन्वयक डॉ. एमके

अवस्थी, सूचना जनसंपर्क अधिकारी डॉ. शेखर सिंह बघेल. डॉ यतिराज खरे के अलावा बड़ी संख्या में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे छात्र एवं छात्राओं की उपस्थिति रही।

10 दिवसीय प्रशिक्षण में हाई टेक हॉर्टिकल्चर नर्सरी, वेजिटेबल ग्राफ्टिंग,ऑटोमेशन इन प्रोटेक्टेड कल्टीवेशन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस इन हॉर्टिकल्चर, रिमोट सेंसिंग, रोल ऑफ मॉलिक्यूलर बायोलॉजी फॉर हॉर्टिकल्चर, इंप्रूवमेंट टिशु कल्चर टेक्नोलॉजी, डिजाइनिंग एंड स्ट्रक्चर इन वैरीयस फॉर एंड नेट हाउस, एप्लीकेशन ऑफ जीआईएस टेक्नोलॉजी इन हॉर्टिकल्चर, एप्लीकेशन आफ ड्रोन टेक्नोलॉजी, नेचुरल एंड फार्मिंग, रोल ऑफ एच. डी. पी. एंड कैनॉपी मैनेजमेंट, फूड क्रॉप फूड प्रोसेसिंग एंड वैल्यू एडिशन ऑफ हॉर्टिकल्चर, क्रॉप्स स्टार्टअप इन फूड प्रोसेसिंग, मैकेनाइजेशन इन हॉर्टिकल्चर रोल ऑफ इंटीग्रेटेड फार्मिंग सिस्टम, इन सस्टेनेबल एग्रीकल्चर सीड प्रोडक्शन आफ हॉर्टिकल्चर क्रॉप्स टेस्टिंग एंड एनालिसिस अप्रोच स्टार्टअप इन इनपुट प्रोडक्शन महत्वपूर्ण विषयों पर सैद्धांतिक एवं व्यवहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा।

000